चंबल को प्रदूषण मुक्त रखने के लिये पदयात्रा और रैली निकाली

कोटा, (निसं)। चंबल नदी के मूल स्वरूप को संरक्षित रखने और इसमें गिरते गंदे नालों के पानी को रोकने के उद्देश्य से 'हम लोग' संस्था और कोटा-केशोरायपाटन के पर्यावरण प्रेमियों ने रविवार को एक पदयात्रा और विशाल 'चंबल बचाओ रैली' का आयोजन किया।

पदयात्रा का शुभारंभ राज राजेश्वर मंदिर प्रांगण से हुआ, जो चंबल नदी के किनारे होते हुए केशव मंदिर के नीचे स्थित विष्णु घाट पर पहुंची। रैली में युवा नेता कुंदन चीता के नेतृत्व में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, युवा, महिलाएं, प्रमुख व्यक्ति और संस्था के पदाधिकारी शामिल हुए, प्रतिभागियों ने हाथों में 'चंबल को स्वच्छ रखो', 'नदी बचाओ', 'घाटों का विकास करो' जैसे संदेश वाली तख्तियां थामे पैदल, मोटरसाईकिल और वाहनों पर सवार होकर वे चंबल की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के नारे लगाते हुए आगे बढ़े।

चंबल को प्रदूषण मुक्त रखने के लिये पदयात्रा और रैली निकाली गई है।

केशव मंदिर के मुख्य घाट पर रैली एक विचार गोष्ठी में परिवर्तित हो गई, गोष्ठी को संबोधित करते हुए हम लोग संस्था व चंबल बचाओ अभियान के प्रेरक डॉ.सुधीर गुप्ता ने चंबल में बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए सामाजिक और स्थानीय जागरूकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चंबल देश की सबसे स्वच्छ नदी है, जो कोटा शहर, बूंदी और आसपास के सैकड़ों गांवों की जीवनदायिनी है, संस्था ने प्रशासन को अवगत कराया और सुझाव दिए हैं, स्थानीय सांसद व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संज्ञान लेते हुए उचित बजट का आश्वासन दिया है, एक सीवेज प्लांट की मंजूरी मिल चुकी है, जिसका निर्माण शीघ्र शुरू होगा, इससे कस्बे के गंदे नालों का शोधित पानी ही नदी में छोडा जाएगा।

पर्यावरण प्रेमी कुंदन चीता, श्याम मनोहर हरित, केशव राय मंदिर के पुजारी पंडित लोकेश शर्मा, मुखिया बृजेश काईलिया, मनीष कविराज, राकेश प्रजापति, एडवोकेट बीटा स्वामी ने संबोधन में चंबल को बचाने के सुझाव दिए, एडवोकेट स्वामी ने साप्ताहिक श्रमदान से घाटों की सफाई का प्रस्ताव रखा। कुंदन चीता ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया स्थानीय निवासियों ने घाटों के विकास में गति लाने और नदी में गंदगी न डालने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर कोटा से आए पर्यावरण प्रेमी, हम लोग संस्था के अशोक शर्मा, राजू गुप्ता, अजय चौधरी, सौरभ मेहता, हर्षाली श्रीवास्तव, टी.पी. सेठी, सुशील सिंह उपस्थित रहे। श्याम मनोहर हरित, देवकिशन मीना, भागीरथ मीणा, गजेंद्र सिंह, शशि शर्मा, मनीष कविराज, पार्षद श्यामा बाई नामा, महेश नामा, पूर्व पार्षद मूलचंद बाथला, जगदीश वर्मा, महेंद्र शर्मा, पार्षद तुषार शर्मा, नागेश नागर, हनुमान मीणा, हरिशंकर सुमन, अरविंद भूतिया, भगीरथ मीणा ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने विचार रखे। सभी पर्यावरण प्रेमियों ने आगामी दिनों में चंबल में बढ़ती गंदगी रोकने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया।

हमारे यहाँ काटने की नहीं जोड़ने की परंपरा है : महामंडलेश्वर मधुसूदानंद गिरी

भवानीमंडी, (निसं)। हमारे देश में काटने की नहीं जोड़ने की परंपरा है क्योंकि भारत की सनातन संस्कृति ने हमेशा जोड़ने का संदेश दिया है यह बात शहर के शिवाजी बस्ती में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में मुख्य अतिथि ओर मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के सेमलिया रतलाम के श्री निरंजनी अखाड़ा अन्नपूर्णा शक्ति पीठ के महामंडलेश्वर स्वामी मधुसूदानंद गिरी ने कही।

महामंडलेश्वर मधुसूदानंद ने हिंदू सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत हिंदुओं का देश होते हुए भी हमें हिंदू सम्मेलन करने की आवश्यकता पड़ रही है जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि हर घर के बाहर तुलसी का पौधा, घर मे भगवत गीता और रामायण होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि आप सात वारों में मत उलझो आप तो अपने आठवें वार यानि परिवार को संभालिये आपका जीवन सुधर जाएगा। वहीं उन्होंने कहा कि अपने जीवन में एक पौधा लगाइये और उसका पोषण करें ताकि जब आपकी मृत्यु हो और आपके अंतिम संस्कार में जो लकड़ी काम में ली जाए तो उसका कर्ज आप उतार सको।

साथ ही उन्होंने कहा कि जिन देशों ने मोबाईल का अविष्कार किया लेकिन उनके यहाँ बच्चों को 18 वर्ष तक उन्हें मोबाईल नहीं दिया जाता लेकिन भारत में माताएं छोटे छोटे बच्चों को मोबाईल देकर सुलाती है तो सोचो आज हम कहाँ जा रहे हैं। वहीं कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाहक राधेश्याम पारेता व वंदना पाटीदार ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान कार्यक्रम की प्रस्तावना संयोजक गोविंद सिंह परिहार ने रखी। कार्यक्रम में राधेश्याम गुप्ता, सीताराम नवाल, द्वारकादास पोरवाल ओर आयोजन समिति अध्यक्ष महेश खंडेलवाल भी मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन विवेक जैन पिंटू ने किया। इससे पूर्व दोपहर को भव्य कलश यात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति शामिल रही। कार्यक्रम के बाद सामुहिक हनुमान चालीसा ओर भारत माता की आरती की गई और सामुहिक भोज का आयोजन किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

क्षेत्रीय मेघवाल विकास समिति के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का भव्य शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

रामगंजमंडी (निसं)। क्षेत्रीय मेघवाल विकास समिति, रामगंजमंडी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को मारुति नगर स्थित मेघवाल समाज छात्रावास में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा रामदेव जी व डॉ. भीमराव अंबेडकर को माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

मुख्य अतिथि कलावती ओम फौजी (प्रधान, पंचायत समिति खैराबाद) रहीं। विशिष्ट अतिथि के प में रामचंद्र मेघवाल (संभागीय अध्यक्ष, मेघवाल समाज कोटा) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कन्हीराम बोरदी ने की। जबकि मंच संचालन राजेन्द्र धानिया द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया।

समारोह में नवनिर्वाचित अध्यक्ष आनंद गेहलोत (सातलखेड़ी) के साथ पूरी कार्यकारिणी जिसमें संरक्षक कन्हीराम (बोरदी) उपाध्यक्ष जुगलकिशोर (रामगंजमंडी) कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार (मदनपुरा) सचिव मांगीलाल गोयन्दा महामंत्री देवलाल (मोडक गाँव) संगठन महामंत्री अमरलाल (हिरयाखेड़ी) प्रचार मंत्री भैरुलाल (देवली खुर्द) महिला मंत्री कमलेश बाई (पत्नी फूलचन्द मुण्डिया) सदस्य बीरम (नामतखेड़ी), कंवरलाल (पूर्व सरपंच, बोरदी) एवं भैरुलाल (जुल्मी) को समाज सेवा और संगठन की मजबूती की शपथ दिलाई गई।

नवनियुक्त अध्यक्ष आनंद गेहलोत ने समाज के लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता शिक्षा को बढ़ावा देना और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना रहेगा। मुख्य अतिथि कलावती ने समाज की एकता और युवाओं की भागीदारी पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी आगंतुकों के लिए स्वरुचि भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रामगंजमंडी क्षेत्र के समस्त मेघवाल समाज के प्रबुद्धजन और भारी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

'प्रदूषण के कारण तेजी से फैल रही एलर्जी, जागरुकता बेहद जरूरी'

कोटा, (निसं)। हाड़ौती एलर्गोकॉन 2026 का सफल आयोजन रविवार को बूंदी रोड स्थित होटल मैनाल में हुआ जिसमें एलर्जी के कारण, निवारण, नई तकनीक, नई दवाएं, नए शोध और नई जांचों के बारे में विस्तार से मंथन किया गया।

डॉ.केवल कृष्ण डंग एवं डॉ.संजय जायसवाल ने बताया कि जायसवाल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड न्यूरो इंस्टीट्यूट, कोटा (राजस्थान) और अस्थमा केयर सेंटर, कोटा (राजस्थान) पुलमोएवा फाउंडेशन सोसाइटी के तत्वावधान में और इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी अस्थमा एंड एप्लाइड इम्यूनोलॉजी के सहयोग से इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के 350 से अधिक चिकित्सकों ने शिरकत कर विशेषज्ञों के व्याख्यान के माध्यम से नए शोध और उपचार की नई तकनीक को जाना और एलर्जी से सम्बंधित कई विषयों की अहम जानकारी प्राप्त की।

- **हाड़ौती एलर्गोकॉन 2026 का सफल आयोजन, नई तकनीक, नए टेस्ट और एलर्जी के कारणों पर मंथन**
- **बच्चों में फूड एलर्जी सबसे अधिक, लेकिन प्रोपर टेस्ट के बाद ही फूड से बनाएं दूरी**

सम्मेलन में दिल्ली से आए देश के प्रख्यात एलर्जी विशेषज्ञ डॉ.पी.सी. कथूरिया ने कहा कि देश में आंखों की एलर्जी अधिक होती है, वहीं बच्चों में फूड एलर्जी अधिक देखने को मिल रही है, जिंस, एनवायमेंट और इम्यूनिटी शिष्टम मिलकर एलर्जी का रूप लेते हैं, उन्होंने कहा कि एलर्जी डिजीज बढ़ रही है, इस पर मंथन किया गया है।

डॉ. विरेन्द्र सिंह अस्थमा भवन राजस्थान हॉस्पिटल ने कहा कि विकासशील देश में एलर्जी तेजी से बढ़ रही है और इसका मुख्य कारण प्रदूषण है। उन्होंने कहा कि एलर्जी के लिए पहले कारण ढूंढे, फिर निवारण हो। डॉ.सिंह ने कहा कि हमारे यहां पोलन से भी एलर्जी अधिक होती है। यह आयोजन देश व प्रदेश में एलर्जी को लेकर सकारात्मक संदेश देगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल कुमार अग्रवाल, संभागीय आयुक्त कोटा रहे। सम्मानित अतिथि डॉ.संगीता सक्सेना, एमडी (रेडियोलॉजी), प्रिंसिपल एवं कंट्रोलर, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, कोटा, विशिष्ट अतिथि डॉ.नरेंद्र नागर सीएमएचओ, कोटा, डॉ.सुपूर्णा सेनरॉय, चिकित्सा अधीक्षक, रेलवे अस्पताल कोटा रहे। मास्टर ऑफ सेरेमनी डॉ.यशस्वी गौतम एंड डॉ.ज्योति डंग का भी सहयोग प्राप्त हुआ।

बिना चिकित्सक की सलाह के एंटी एलर्जी दवाएं नहीं हैं, नहीं तो बढ़ सकती है बीमारी:- डॉ.एलके गुप्ता (आंच हॉस्पिटल के निदेशक) ने बताया कि बच्चों में एलर्जी बढ़ रही है, जिसमें आंख से पानी आना, गला खराब होना, जुकाम, छींके आना, सांस फूलना शामिल है।

उन्होंने कहा कि चिकित्सकों की सलाह के बिना एंटी एलर्जी की दवाएं नहीं लें नहीं तो बीमारी बढ सकती है, अस्थमा हो सकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों में फूड एलर्जी होती है, लेकिन प्रोपर टेस्ट के बिना बच्चों के खाद्य पदार्थों को बंद नहीं करें, नहीं तो उसका इम्यूनिटी सिस्टम कमजोर हो जाता है। उन्होंने कहा कि हमे एलर्जी का कारण ढूंढना आवश्यक है। डॉ.केवल कृष्ण डंग एवं वनस्पति विभाग, राजकीय महाविद्यालय कोटा की प्रोफेसर डॉ.नीरजा श्रीवास्तव द्वारा वायु एलर्जी और मानव स्वास्थ्य पर अखिल भारतीय समन्वित परियोजना (2008) के अध्ययन के आधार पर हाड़ौती क्षेत्र में एलर्जी उत्पन्न करने वाले लगभग 28 प्रकार के पेड़-पौधों की पहचान की गई है। इनमें प्रमुख रूप से विलायती बबूल, एरिया, गाजर घास, बथुआ, बंदर की रोटी, कांटेदार चौलाई, पीली कांटेली, अल्स्टोनिया तथा कोनोकार्पस शामिल हैं।

सीसीटीवी की सतर्क निगरानी से यात्री की जेबकतरी का त्वरित खुलासा

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल अंतर्गत सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत स्टेशन पर स्थित टिकट काउंटर क्षेत्र में एक यात्री द्वारा जेब से नकदी चोरी की सूचना दिए जाने पर रेलवे सुरक्षा बल ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच की।

- **ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत सवाई माधोपुर स्टेशन पर आरोपी पकड़ाया, चोरी की राशि बरामद**

फुटेज के आधार पर संदिग्ध व्यक्ति की पहचान कर उसे तुरंत पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ के दौरान चोरी की गई नकद राशि बरामद की गई। प्राथमिक जांच में आरोपी की संलिप्तता स्पष्ट पाए जाने पर उसे आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु राजकीय रेलवे पुलिस को सौंप दिया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने बताया कि इस कार्रवाई में रेलवे सुरक्षा बल के जवानों द्वारा त्वरित प्रतिक्रिया, तकनीकी निगरानी और समन्वित प्रयासों से घटना का शीघ्र खुलासा संभव हो सका।

यह घटना स्टेशन परिसरों में लगे सीसीटीवी कैमरों की उपयोगिता और यात्रियों की सुरक्षा के प्रति रेलवे की सतत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

रेलवे प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा असुविधा की स्थिति में तुरंत रेलवे सुरक्षा बल या संबंधित अधिकारियों को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

विशेष स्वास्थ्य संवाद आयोजित

कोटा, (निसं)। ईथॉस हॉस्पिटल, कोटा द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'गोल्डन हेल्थ टॉक' नामक विशेष स्वास्थ्य जाग कता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पूर्णत: जनहित में आयोजित किया गया, जिसमें वरिष्ठजनों को स्वास्थ्य, देखभाल और सक्रिय जीवनशैली से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महंत गोदावरी धाम शैलेन्द्र भार्गव रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता गोविंद शर्मा, होटल फेडरेशन के संभागीय अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्पाइन सर्जन डॉ. गौरव मेहता ने वरिष्ठ नागरिकों को रीढ़ की सर्जरी, रिकवरी प्रक्रिया तथा आधुनिक सर्जिकल तकनीकों की जानकारी दी। फिजिशियन डॉ. बी.सी.तेंलग ने उच्च रक्तचाप को गंभीरता से लेने की आवश्यकता पर बल देते हुए बीपी और शुगर नियंत्रण, दवाइयों के नियमित सेवन एवं जीवनशैली सुधार पर जानकारी साझा की।

इंद्र विहार विकास समिति की नई कार्यकारिणी गठित

कोटा, (निसं)। इंद्र विहार विकास समिति की नवीन कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष पद पर अशोक कुमार लड्ढा, सचिव विपिन सूद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्रशेखर रामचंदानी तथा कोषाध्यक्ष रामस्वरूप शर्मा का निर्वाचन निर्विरोध किया गया। कार्यकारिणी गठन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में नवनिर्वाचित अध्यक्ष अशोक कुमार लड्ढा ने सर्वप्रथम सभी उपस्थित सदस्यों को नववर्ष की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। अपने संबोधन में उन्होंने समिति द्वारा पूर्व में किए गए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए भविष्य की योजनाओं से भी सदस्यों को अवगत कराया। अध्यक्ष लड्ढा ने बताया कि आने वाले समय में सोसायटी के पुराने हॉल को वातानुकूलित किया जाएगा तथा निर्माणाधीन बैडमिंटन हॉल को शीघ्र पूर्ण कर क्षेत्रवासियों को समर्पित किया जाएगा, जिससे बच्चों एवं युवाओं को खेल एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकें। उन्होंने अध्यक्ष पद पर चुने जाने के लिए सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि समिति की सभी गतिविधियां सबको साथ लेकर धरातल पर उतारी जाएंगी।

कोटा में लाईफस्टाईल एक्ज़ीबिशन स्वयंसिद्धा का हुआ समापन

कोटा, (निसं)। लघु उद्योग भारती महिला इकाई कोटा की लाईफस्टाईल एक्ज़ीबिशन के अंतिम दिवस का आयोजन झालावाड़ रोड स्थित संस्कृति बैंक्वेट हॉल में संपन्न हुआ। अध्यक्ष चंदानी पोद्दार ने बताया की प्रदर्शनी में रविवार सुबह से ही जबरदस्त भीड़ रही और कोटावासियों ने जमकर शॉपिंग का लुफ्त उठाया।

उन्होंने बताया की इस एग्ज़ीबिशन को लगाने में पारस ज्वैल्र्स एवं ओरिया ज्वैल्स का विशेष सहयोग रहा। पूर्व अध्यक्ष शशि मित्तल ने बताया कि कोटा एवं कोटा के बाहर कई शहरों से महिलाओं ने अपने द्वारा बनायें जा रहे उत्पादों को प्रदर्शित किया। सचिव निहारिका गुप्ता ने बताया कि सभी स्टाल मालिकों ने अच्छी सेल होने से अत्यधिक खुशी जाहिर की एवं अगले वर्ष भी पुन: आने का आश्वासन दिया। कार्यसंचालक रजनी मित्तल ने बताया कि लघु उद्योग भारती माहिता इकाई की और से सभी एक्ज़िबिटर्स को आवास एवं भोजन वयवस्था प्रदान की गई जिससे उन्हें किसी प्रकार कोई कोई कठिनाई नहीं हुई।

कोटा में लघु उद्योग भारती महिला इकाई की एक्ज़ीबिशन का संस्कृति बैंक्वेट हॉल में समापन हुआ।

कोषाध्यक्ष अलका अग्रवाल ने बताया कि प्रदर्शनी में हर दो घंटे लक्की ड्रा निकाला गया जिसमें 1500 मूल्य का उपहार आरएस मित्तल क्लासेज की और से दिया गया। स्टॉल इंचार्ज शीलू जैन ने बताया की दो दिवसीय एग्ज़ीबिशन में अनुमानित 50 लाख रुपये का व्यवसाय हुआ एवं देर रात तक खरीदारी करने वालों का लगा रहा। उन्होंने बताया स्वयंसिद्ध में कैलोरी ब्रेड, हेल्थी चॉईस पोहा एवं सुकल्प ब्यूटी का भी विशेष सहयोग रहा। पूरी प्रदर्शनी का समन्वय कैलाशा इवेंट्स ने किया।

सर्दी व कोहरे में यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, कोटा मंडल द्वारा विशेष सुरक्षा प्रबंध

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल द्वारा सर्दी एवं घने कोहरे के मौसम में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा के मार्गदर्शन में व्यापक और बहु-स्तरीय सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं ताकि प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों में भी ट्रेनों का संचालन सुरक्षित और नियंत्रित रूप से किया जा सकें।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि कोहरे के दौरान दृश्यता कम होने की स्थिति में लोको पायलट को सटीक दिशा-निर्देश उपलब्ध कराने के लिए ट्रेनों में फॉग सेफ्टी डिवाईस का उपयोग किया जा रहा है। यह उपकरण सिग्नल, गति सीमा एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों की अग्रिम सूचना देकर ट्रेन की गति को सुरक्षित रखने में सहायक होता है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में रेल पटरियों की सतत निगरानी के लिए ट्रैक मैन द्वारा नियमित ट्रैक पेट्रोलिंग कराई जा रही है।

इस दौरान पटरियों में संभावित दरार, टूट-फूट अथवा किसी भी असामान्य स्थिति का समय रहते पता लगाकर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना को न्यूनतम किया जा सकें।

इसके अतिरिक्त, कोहरे में चेतावनी संकेतों को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यकता अनुसार पटाखों (डेटोनेटर) एवं अन्य संरक्षा उपकरणों का उपयोग सुनिश्चित किया गया है। सिग्नलों एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर दृश्यता बढ़ाने के उपाय भी किए गए हैं, ताकि चालक दल को समय रहते संकेत मिल सके और यात्रियों की यात्रा सुरक्षित बनी रहें। मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि सुरक्षित रेल संचालन सीधे तौर पर यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ा विषय है, इसलिए लोको पायलट एवं रनिंग स्टॉफ को उपयुक्त कार्य वातावरण उपलब्ध कराना भी आवश्यक है।

इसी उद्देश्य से इंजनों की कैब को हीटर युक्त एवं हवा-रोधक बनाया गया है, ताकि चालक दल पूरी सतर्कता और एकाग्रता के साथ ट्रेन संचालन कर सकें। कोटा मंडल यात्रियों की जान-माल की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सर्दी और कोहरे के मौसम में भी सुरक्षित, नियंत्रित एवं भरोसेमंद रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

राजस्थान प्रदेश कछवाहा/ कुशवाहा क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बने रामहेत कुशवाहा

कोटा, (निसं)। अखिल भारतीय कछवाहा/कुशवाहा क्षत्रिय महासभा का अधिवेशन लवकुश छात्रावास में आयोजित किया गया। अधिवेशन में राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर धौलपुर के पूर्व प्रधान रामहेत कुशवाहा एवं महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष हेमलता कुशवाहा भरतपुर, प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज लता कुशवाहा कोटा को नियुक्त किया गया है।

इसके साथ ही प्रदेश मीडिया प्रभारी डीके कुशवाहा, राष्ट्रीय सलाहकार महाराज सिंह कुशवाहा, राजस्थान युवा प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार कुशवाहा, राजस्थान प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह कुशवाहा एवं प्रदेश सचिव रोहित कुशवाहा को नियुक्त किया गया है। अधिवेशन में भामाशाह मथुरालाल कुशवाहा बोरखेड़ा का समाज के द्वारा स्वागत किया गया, लव-कुश छात्रावास कोटा के लिए 2 लाख नगद राशि दी है। इस अवसर पर नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष रामहेत कुशवाहा ने पूरे राजस्थान प्रदेश में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति जल्द करने का भरोसा दिया। अधिवेशन में प्रवक्ताओं ने शिक्षा राजनीति व आर्थिक सुधार पर अपने विचार रखे साथ ही कुशवाह समाज के लिये आरक्षण तथा लव-कुश बोर्ड में नियुक्ति को लेकर चर्चा की। इस अवसर पर, कोटा छात्रावास विकास समिति अध्यक्ष रमेश चंद्र कुशवाहा महामंत्री राम नारायण कुशवाहा सचिव भारत सिंह कुशवाहा कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाहा उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल कुशवाहा विधिक सवाल सलाहकार चंद्र मोहन कुशवाहा सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों के लोग उपस्थित रहे, अधिवेशन में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार झारखंड सहित देश के विभिन्न भागों से बड़ी संख्या में कुशवाहा समाज बंधु शमिल हुए।

- **कुशवाह समाज के लिये आरक्षण तथा लव-कुश बोर्ड में नियुक्ति को लेकर चर्चा की**

जाटव समाज का नववर्ष स्नेह मिलन समारोह आयोजित

कोटा, (निसं)। सर्व जाटव समाज उत्थान समिति, कोटा द्वारा नववर्ष स्नेह मिलन एवं प्रतिभा एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर भवन, भदाना योजना, रंगपुर रोड पर गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का शुभकामना संदेश पढ़कर सुनाया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कोटा उत्तर विधायक शांति धारीवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्व जाटव समाज उत्थान समिति के अध्यक्ष एस.एन.चौधरी ने की।

अतिथि जाटव महासभा कोटा के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह रहे। संचालन समिति के सलाहकार नेमसिंह मौर्य ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान गौतम बुद्ध एवं भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

जयपुर ने क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीता

कोटा, (निसं)। सीईएससी राजस्थान की ओर से अन्तर विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता के तहत आयोजित यूनिटी प्रीमियर कप-2025 क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब जयपुर कॉर्पोरेट ऑफिस ने अपने नाम कर लिया। जयपुर स्थित ए.आर. क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए फाइनल मैच में जयपुर कॉर्पोरेट ने केईडीएल को 7 विकेट से हराया। जयपुर कॉर्पोरेट ने टॉस जीतकर पहले फिल्डिंग करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए केईडीएल की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 122 रन बनाए।

जवाब में जयपुर कॉर्पोरेट की टीम ने 123 रन बनाकर 7 विकेट से प्रतियोगिता खिताब जीत लिया। इस मैच में आशीष सैनी ने 40 रन की पारी खेली। मैन ऑफ द मैच जयपुर कॉर्पोरेट के जसोदीप्ता सेनगुप्ता को दिया गया। मैन ऑफ द सीरीज़ जयपुर कॉर्पोरेट के आशीष सैनी और विमल कुमार रहे। सैनी ने दो मैच में 101 रन और दो विकेट लिए जबकि विमल कुमार ने 38 रन और तीन विकेट लिए। फाइनल से पहले ए आर क्रिकेट अकेडमी के मैदान में दो सेमीफाइनल मैच खेले गए। पहला मैच बीकानेर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई लिमिटेड (बीकेईएसएल) और कोटा इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (केईडीएल) के मध्य खेला गया। बीकेईएसएल की टीम ने पहले खेलते 18 ओवर में 115 रन बनाए। जवाब में केईडीएल की टीम ने 120 रन बनाकर मैच जीत लिया। इस प्रकार केईडीएल ने सेमीफाइनल जीत कर फाइनल में प्रवेश किया। मैन ऑफ द मैच रवि प्रजावत रहे।

क्रिकेट टूर्नामेंट में केईडीएल की टीम उप विजेता रही।

दूसरा सेमीफाईनल सीईएसएसी राजस्थान कॉर्पोरेट व बीईएसएल के बीच खेला गया। सीईएसएसी राजस्थान कॉर्पोरेट ने टॉस जीतकर पहले फिल्डिंग करने का फैसला किया। पहले खेलते हुए बीईएसएल ने निर्धारित 20 ओवर में 120 रन बनाए। जवाब में सीईएसएसी राजस्थान कॉर्पोरेट की टीम ने 122 रन बनाकर मैच 7 विकेट से जीत लिया और फाइनल में प्रवेश किया। मैन ऑफ द मैच आशीष सैनी रहे।

फाईनल मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में सीईएससी राजस्थान के सीईओ श्रीप्रकाश जोशी व सीईएससी राजस्थान के वाइस प्रेसीडेंट (एचआर) अरूणाभा साहा ने विजेता टीम सीईएसएसी राजस्थान कॉर्पोरेट को विजेता ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। केईडीएल की टीम को रनर अप ट्रॉफी प्रदान की गई।

इस मौक पर केईडीएल के सीओओ शांतनु भट्टाचार्य व मनीष अरोडा, बीकेईएसएल के सीओओ हरीश चंद्र सिंह व बीईएसएल के सीओओ आकाश सक्सेना भी मौजूद थे।